SUP-POWER

JULY – AUGUST 2011

Visit at http://10.139.248.248

Let us Unite in the Fight against CORRUPTION

S.B.I. OFFICERS' ASSOCIATION (PATNA CIRCLE)

VISIT OF COMRADE NADAF TO RANCHI

Com G.D. Nadaf during his visit to
Ranchi was honoured on his nomination as a Director.

Com A. Akhauri briefing about the achievements
of the Circle Association.

Comrade Nadaf addresses the members
of Ranchi Module.

A view of Comrades present on the occasion.

The large participation of lady comrades
was widely appreciated.

सम्पादक की कलम से

प्रिय साथियों,

जबतक यह अंक आपके हाथों में होगा, इस वित्तीय वर्ष के चार माह निकल चुके होंगे। लेकिन व्यापक तौर पर चालू वित्तीय वर्ष का प्रथम तिमाही मंडल के हम अधिकारियों के लिये सुखद नहीं रहा। मेरी जानकारी के अनुसार इस तिमाही में धोखाघड़ी के छोटे–बड़े 52 केस पटना मंडल में रिपोर्ट किये गये। इससे हमारे मंडल की प्रतिष्ठा पर आँच तो आती ही है, हम अधिकारियों के लिये यह अधिक चिन्तनीय है। इस प्रकार के प्रत्येक केस का निष्पादन विजिलेंस की दृष्टि से किया जायेगा और इसकी गाज किसी न किसी अधिकारी पर अवश्य ही गिरेगी। अगर हम यह माने कि इन मामलों में औसतन दो अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जाँच होती है, तो हमारे कुल 104 अधिकारी कई दिनों तक मानसिक एवं शारीरिक कष्ट में होंगे। और यह सब मैं विभागीय दृष्टिकोण से कह रहा हूँ। अगर कोई मामला पुलिस अथवा सीबीआई जाँच को जाता है तो कई परेशानियाँ अलग से आती हैं। और ये सारी परेशानियाँ सिर्फ इसलिये हैं क्योंकि हम अधिकारियों ने बैंकिंग कामकाज के लिये आवश्यक न्यूनतम सुरक्षा बिन्दूओं की अनदेखी की। हम किसी ग्राहक को एक एक्सप्रेस क्रेटिड का ऋण स्वीकृत करते हैं. यह ठीक है कि सफाई से जालसाजी किये गये उसके आय संबंधी दस्तावेजों को शायद हम सही मान लें लेकिन उस दस्तावेज में अंकित उसके मासिक आय का सत्यापन उसके बचत खाता में जमा हो रहे मासिक वेतन से तो कर ही सकते हैं। इस प्रकार की मूलभूत सावधानी का हम कैसे अनदेखा कर सकते हैं? और अगर हम ऐसा करते हैं तो यह हमारी घोर लापरवाही नहीं तो क्या है? पासवर्ड की गोपनीयता भंग होने से होने वाली परेशानियों के कई उदाहरण सामने आने के बावजूद भी जब हम ऐसी गलतियाँ दुहराते हैं तो यह हमारे ही द्वारा हमारी खुद की नौकरी से खिलवाड़ नहीं तो और क्या है? क्युँ हम अपनी जान के स्वयं दुश्मन बन बैठते हैं?

क्रेन्द्रीय समिति के विभिन्न मंचों से हरसमय अपने साथियों को सचेत किया जाता है कि वे अपने दैनिक बैंकिंग कार्यकलाप में सावधानी बरतें, पासवर्ड की गोपनीयता से खिलवाड़ कतई न करें और अपने कार्य क्षेत्र पर नजर रखें कि कोई अनाधिकृत व्यक्ति आपकी शाखा/कार्यालय के कम्प्युटर पर काम तो नहीं कर रहा। लेकिन यह समझ से परे है कि लगातार चेतावनियों के बावजूद अधिकारी ऐसी अवांछित कार्य/व्यवहार क्यों करते है। स्वयं ठोकर खाकर तो हर एक इंसान सीखता है लेकिन बुद्धिमत्ता तो इस बात में है कि हम दूसरों के खाये ठोकरों से सीखें, इसलिये हम में से प्रत्येक अधिकारी को अपने कामकाज में प्रत्येक स्तर पर प्रतिदिन अपनी सतर्कता सुनिश्चित करनी होगी। तभी हम अपनेआप को इन अप्रिय घटनाओं से बचा पायेंगे।

इसी आलोक में पिछले दिनों संघ का सामना एक और दुखद पहलु से हुआ। यह पाया गया कि हमारे केन्द्रीय समिति के एकाध सदस्य अपने व्यक्तिगत लाभ के लिये मंडल प्रबन्धन के सामने अपने दूसरे साथियों की शिकायत/निन्दा करते है। किसी भी अधिकारी के गलत व्यवहार/कार्यकलाप का बचाव मैं नहीं कर रहा, लेकिन अपने व्यक्तिगत लाभ के लिये संघ के किसी भी समिति का कोई सदस्य अगर किसी अधिकारी की शिकायत/निन्दा करता है तो यह व्यवहार स्वयं में निन्दनीय है. साथ ही यह चिन्तनीय भी है कि आपके चुने हुये प्रतिनिधियों द्वारा संघ का इस्तेमाल कहीं अपने व्यक्तिगत लाभ के लिये तो नहीं किया जा रहा। हम सदस्यों को ऐसे तत्वों से न सिर्फ सावध ान रहने की आवश्यकता है अपितु मैं तो उन्हें यह चेतावनी भी दूँगा कि अगर उन्होंने अपने व्यवहार में परिवर्तन नहीं किया तो इसी प्रकाशन के आगामी अंकों में उन्हें बेनकाब भी किया जायेगा।

पिछले दिनों संवर्ग 2 से 5 के प्रोन्नतियों के परिणाम आये। सफल हुये सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनायें। परिवीक्षाधीन पदाधिकारियों के नये बैच की स्थायीकरण के बाद पदस्थापना हो चुकी है। बैंक तथा संघ, दोनों को उन युवा अधिकारी सदस्यों से कई अपेक्षायें हैं और मुझे विश्वास है, वे उन अपेक्षाओं पर खरे साबित होंगे, आने वाले दिनों में बैंक और संघ दोनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

ईश्वर सभी सदस्यों तथा हमारे परिवारजनों को स्वस्थ्य रखें।

आपका

विकास कुमार

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष ही साधन है ।

MEETINGS OF AISBOF/AIBOC

The 1st meeting of the Executive Committee of AIBOC, Bihar State for the term 2011-2014 was held at Patna on the 13th June, 2011. The members discussed the procedure for the proposed STRIKE of UFBU and resolved to make it a success.

A meeting of the Presidents and General Secretaries of AISBOF was held at Hyderabad on the 22nd June 2011. Issues of the Circle were raised by **Com L. K. P. Singh,** President and **Com A. Akhauri,** General Secretary.

The follow-up meeting of Central Negotiating Council between the AISBOF and Bank was held at Hyderabad on the23rd June 2011. **Com A. Akhauri** represented the Circle Association.

The Working Committee meeting of AIBOC was held at Mumbai on the 29th June 2011. **Com A. Akhauri** participated as the Joint General Secretary.

The Executive Committee of AISBOF met at Mumbai on the 8th July, 2011. **Com L. K. P. Singh, Com. A. Akhauri** and **Com Suresh Kumar** raised a number of issues relating to the Circle.

The Central Negotiating Council meeting was held at Mumbai on the 9th July, 2011.

MEETING OF CENTRAL/ZONAL COMMITTEE

A meeting of Zonal Committee, Muzaffarpur was held at Muzaffarpur on the 26th June 2011. **Com Vinod Kumar** and **Com Arijit Bose** participated as observers of the Central Committee.

A meeting of Zonal Committee, Patna was held on the 23rd June 2011. **Com J. K. Thakur** and **Com Suresh Kumar** participated as observers of the Central Committee.

Com K. K. Srivastava, President of Zonal Committee, Muzaffarpur retired from the service of the Bank on the 30th June 2011. The Vice-President **Com P. K. Sinha** will discharge the functions of President.

A meeting of Zonal Committee, Purnea was held at Purnea on the 12th June, 2011. **Com Pankaj Jha** participated as an observer of the Central Committee.

A follow-up meeting of the Circle Negotiating Council was held at Patna on the 22nd July 2011. The action points of the last CNC were reviewed.

The Administrative Office Negotiating Council of Purnea Module had its meeting at Purnea on the 26th July 2011. A threadbare discussion on the agenda items took place.

ACHIEVEMENTS

The Monetary ceilings for providing BRIEF CASE to officers have been raised from Rs. 1800/-, Rs. 2100/-, Rs.3000/- to Rs.2400/-, Rs.3100/-, Rs.4000/- for JMGS, MMGS & SMGS respectively w.e.f.01.07.2011.

CONGRATULATIONS

SUP - POWER CONGRATULATES:

14 Comrades promoted to SMGS - V w.e.f. 12/07/2011
98 Comrades promoted to MMGS -III w.e.f. 16/07/2011
74 Comrades promoted to SMGS -IV w.e.f. 22/07/2011
370 Comrades promoted to MMGS- II w.e.f. 30/07/2011

COMMUNITY SERVICES

SBIOA (Patna Circle) has donated play ground items to **Sister Nivedita Valika Vidyalaya,** a school for slum children run by Nai Dharti, an NGO.

ORGANISATIONAL MATTER

Com. G. D. Nadaf during his recent visit to Ranchi addressed the Comrades of Ranchi on the 25th June 2011 and praised the achievements of Patna Circle Association.

A meeting of the officers of Patna Circle posted at the Corporate Centre, Mumbai was addressed by **Com. G.D. Nadaf** and **Com. A. Akhauri** on 29th June, 2011.

UFBU has decided to postpone the All India Bank Strike from 7th July to 5th August 2011, with a view to synchronise it with the monsoon session of Parliament.

A historic get together of the officers of Patna Circle posted at Mumbai Centre was held on 7th July, 2011 at Radio Club, Colaba, Mumbai.

HEALTHY HUMOUR

Light travels faster than sound. This is why some people appear bright untill you hear them speak.

—Contributed by B.N. Jha

SUCCESS COMES TO THOSE WHO DARE AND ACT

नो योर कस्टमर

एक वृद्ध खाताधारक बैंक के प्राप्त पत्र के साथ शाखाप्रबंधक के मिलने हेतु अनजान शाखा में पहुंचे। शाखाप्रबंधक ने वृद्ध को अभिवादन करते हुए बैठने का आग्रह किया। शाखाप्रबंधक–''कहिये श्रीमान ! मैं आपकी क्या सहायता कर सकता हूँ।'' वृद्ध–''श्रीमान् ! मेरे पते पर बैंक का KYC से सम्बन्धित यह पत्र आया था। पर उसमें दिए गए पहचान पत्र तथा आवासीय प्रमाण–पत्र की सूची के मुताबिक मेरे पास कुछ भी नहीं है।'' शाखाप्रबंधक–''देखिये श्रीमान् इसमें से कोई भी दो दस्तावेज तो देना ही होगा, नहीं तो खाता का परिचालन बंद कर दिया जाएगा।'' वृद्ध यह सुनकर हताश हो गया तथा वह शाखाप्रबंधक से विदा लेकर घर चला गया।

वृद्ध रात भर चिंता मैं करवट बदलता रहा और उसे यह बात कचोटने लगी कि 90 वर्ष की उम्र में आज मेरे पास अपनी पहचान स्थापित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है। मेरा कोई अपना घर नहीं है तो आवासीय प्रमाणपत्र कहाँ से लाऊँ।

पन्द्रह दिन के बाद शाखा में प्रबंधक के पास उस वृद्ध खाताधारक की एक चिठ्ठी आई चिट्ठी नीचे प्रस्तुत है।

सेवा में,
शाखाप्रबंधक महोदय,
अनजान शाखा,

महाशय,
खाता सं–xxxxxxxxxx
के. वाई. सी. के सम्बन्ध में,

आपके पत्रांक 115 दिनांकित 15.07.2011 के सम्बन्ध में मैं कुछ तथ्य आपके समझ प्रस्तुत कर रहा हूँ। आपके शाखा में 50 वर्षों से मेरा उपयुक्त खाता है। मैं बिहार सरकार के एक विभाग में उपनिदेशक पद पर कार्यरत था। मेरा वेतन इसी खाते में जमा होता था तथा तीस वर्षों से पेंशन इसी खाता में जमा हो रहा है। मै आपका डेबिट कार्ड तथा इंटरबैंकिंग प्रोडक्ट प्रयोग भी करता हूँ। मेरे परिवार के सभी सदस्यों का खाता आप ही के बैंक में है।

मैंने आपके पत्र में के.वाई.सी. के दस्तावेजों की सूची देखी पर, मेरे पास उसमे वर्णित कोई भी दस्तावेज मेरे पास नहीं है। मैं कभी विदेश नहीं गया। इसीलिये पासपोर्ट नहीं है। मैंने कभी टैक्स नहीं भरा, इसीलिये पैनकार्ड नहीं है। सरकार ने कभी इलेक्शन कार्ड दिया ही नहीं। मैं अब इस उम्र में कहीं कार्यरत भी नहीं हूँ। इसीलिये मेरे पास आई. कार्ड. भी नहीं है. सारी उम्र बच्चों को शिक्षा देने में लगा रहा। इसलिये घर बनाने का सपना भी साकार न हो सका तथा इसीलिये मेरे पास अपना आवासीय प्रमाण–पत्र नहीं है।

लेकिन मैं भारतीय हूँ। मेरे तीन पुत्र हैं। एक पुत्र आपके बैंक में ही अधिकारी है, दूसरा पुत्र हाईकोर्ट में तथा तीसरा पुत्र भी दुसरे बैंक में कार्यरत है. मेरे पुत्र की पहचान में पिता के रूप में मेरे नाम का जिक्र हैं। फिर भी मेरा अपना कोई पहचान पत्र नहीं, मैंने तो घर नहीं बनाया पर मेरे तीनो पुत्रों ने अपना–अपना मकान बना लिया है और मैं तीनो पुत्रों के घर बारी–बारी से रहता हूँ। इस प्रकार मेरा अपना आवासीय प्रमाण पत्र नहीं है।

अत: मैं आपके बैंक में के.वाई.सी हेतु किसी भी प्रकार का दस्तावेज प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हूँ। आपके बैंक ने जो 50 वर्षों की सेवा मुझे दी है, उसके लिये आपको बहुत–बहुत धन्यवाद। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप मेरा खाता बंद कर मेरे खाते के शेष को मेरे निम्न पते पर मनीआर्डर द्वारा भेजने की कृपा करें तथा साथ ही पेंशन को भी नगद भेजवाने का कष्ट करें.

आपका विश्वासभाजन
कखग

पता 1–C/o पहला पुत्र	बेली रोड	जनवरी से मार्च तक
पता 2–C/oदूसरा पुत्र	पटेलनगर	अप्रील से सितम्बर तक
पता 3–C/o तीसरा पुत्र	राजीवनगर	अक्टूबर से दिसम्बर तक

उस दिन शाखाप्रबंधक घर पहुँचने के बाद रात भर सो नहीं सका और वो सोचता ही रहा। क्या बैंक में अब सामाजिक बैंकिंग नहीं, दस्तावेज बैंकिंग होने लगी है? क्या वृद्ध नागरिक के लिए बैंक में कोई जगह नहीं? सुनता था कि वृद्ध पिता का ख्याल आजकल बच्चे नहीं रखते, अब तो बैंक भी उनसे पीछे नहीं। क्या भारतवर्ष में वृद्ध की उपेक्षा नहीं हो रही ?

—मिलिन्द कुमार झा
सदस्य, एस.बी.आई.ओ.ए.
जोनल कमिटी, पटना

CHALLENGE - THAT ARE PART OF LIFE

It is from time immemorial, challenges have been part of human life. During his early nomadic life man faced the fury of nature, like thunder, rain, cyclone, flood, attack from wild animals etc. He continued to be under various threats and challenges in life. The present day fast and highly competitive life has only aggravated the situation where he has to face the challenges not only from nature but also from his own fellow beings. The support he had received from the members of the family also has dwindled with the onset of micro family system, consisting of husband, wife and child or children.

> ***"The greatest challenges we faced in our life are how to develop courage and conquest fear"***

The greatest challenges we face in our life are how to develop courage and conquer fear, whereas for many of us challenges create fear as they are hard that rock our mind. To become fearless we need to workout constantly to achieve the aim. Once we succeed that makes us to face future challenges with ease. They come in all shapes and sizes. Some of the challenges we face in our day to day life are loss of job, loss of loved ones, illness, care for elderly, thought of divorce, completion of targets in the profession, professional jealousy and competition, remuneration not commensurate with talent, experience, qualification, workload etc. Unless we build a strong will power we may be tempted to run away unable to face the challenges. But running away from the situation is not the solution, as it will only rebound in a similar fashion at a later date if not today. Many of the suicides we see to day are out of frustration unable to face the challenges. It is to be remembered that no one succeeds in life unless one faces the challenges squarely, with courage. Whereas a success achieved out of a challenge will be immensely enjoyable that gives us lot of confidence and measures like a colourful rainbow coming out of melancholy cloud.

Once we face a lesser challenge without any fear we will be able to face bigger challenges in future with ease. We should not think that we are only victims of circumstances, whenever we face a challenge. We should understand that we are born to serve a great purpose and accomplish greater things, that make us more confident and become alert mentally and physically. The motivation in us makes us to bring impossibility to possible as it will enable us to develop our will power. It also influences every action or deed in our life whether in study, sports or in business. There is no substitute for persistence as it cannot be supplemented by any other quality.

While facing a challenge we must analyse the issue in detail and the difficulties that may crop up. We need to understand that facing a challenge is not a pleasant thing. As such we need to calculate the risk and face the situation with utmost concentration and focus our energy in that direction. Initially we only need to respond not to react.

For meeting a challenge we need to have a right mental attitude. With a disturbed mind we may not be able to meet the situation as it will only lead to failure. We can also go to the memory lane and recollect similar challenges we faced in the past. We should also understand that there is a champion in us that makes us to face the challenge with ease. We are distined to do greater things in life and understand that in every problem there is a seed of opportunity. In our day to day life we can see many people who faced bigger problems and succeeded that should provide us inspiration to meet lesser challenges. Acquaintance with a role model or seeking his advice may help us to meet any situation. This will also enable us to acquire more power, confidence and drive. There is always something to be discovered about each human being we encounter that gives us extra energy and learning. It is not just to make us better but do also better. Such relationship impels us to become positive to circumstances and achieve great things that pull us up not to bring us down.

According to Dale Carnegie the management expert and Psychologist you can conquer almost any fear if you will only make up your mind to do so. Building self confidence will make us to meet life's inevitable uncertainties.

Courtesy : **Labour research,** May - June 2011

प्राथमिकता

बस में 40 मिनट का सफर कर डुमरी चौक पर उतरा। चारों तरफ का मुआयना करते हुए एक पान की दुकान पर पहुंचा। दुकान पर पहले से तीन-चार ग्राहक मौजूद थे। मैंने पान वाले से पूछा-''भाई, यहाँ पर बैंक कहाँ है?'' पानवाले ने मुझे घूरते हुए कहा-''क्या काम है?'' मैंने कहा-''मेरा इस बैंक में ब्रांच मैनेजर का पोस्टिंग हुआ है।'' तुरंत पान दुकान पर खड़ा एक आदमी ने कहा-''प्रणाम सर, चलिए मैं आपको बैंक छोड़ देता हूँ।'' मैं उसके साथ बैंक की ओर चल पड़ा, रास्ते में उसने मुझसे पूछा-''बड़ा साहब, आपके पास रूमाल है ना? मैंने कहा-हाँ, पर इसकी क्या जरूरत है? उसने कहा-''सर, इस गाँव में मुखिया और बैंक को छोड़कर किसी घर में शौचालय नहीं है। यहाँ रास्ते पर ही शौच करते हैं। आप बिना नाक ढंके शाखा तक नहीं पहुँच सकते।

मैं शाखा पहुंच कर प्रभार ग्रहण कर लिया। शाखा का मुआयना करने बाद पता चला कि यहाँ ऋण पर पाबंदी लगी हुई है। ऋण की वसूली शून्य है। जमा में भी विकास दर काफी कम है। नौकरी तो करनी है इसके लिए प्रयास तो करना ही होगा। मैं गाँव के मुखिया तथा ग्रामीण लोगों से मिलकर उनकी स्थिति की जानकारी ली। गरीबी काफी नजर आ रही थी। एक दिन बी.डी.ओ. कार्यालय भी पहुंचा बी.डी.ओ. साहब से भेंट की उन्होंने भी व्यवसाय के लिए मदद करने का आश्वासन दिया। जब मैं बी.डी.ओ. के ऑफिस से बाहर आ रहा था तो एक सरकारी विज्ञापन देखा। विज्ञापन में लिखा था-''शौचालय बनाने के लिए ऋण उपलब्ध है।'' मैंने सोचा कि अगर इस गाँव में शौचालय बनाने के लिए ऋण दिया जाय तो बैंक में व्यवसाय बढ़ेगा तथा साथ ही गाँव के लोगों का कल्याण होगा। गाँव की गंदगी दूर हो जाएगी। गाँव भी स्वच्छ हो जाएगा एवं लोग भी स्वस्थ हो जाएंगे। बैंक का समाज में नाम होगा।

दूसरे दिन मैं ऑफिस पहुँच कर सर्वप्रथम रीजनल मैनेजर को शौचालय के ऋण वितरण के सम्बन्ध में एक विस्तृत जानकारी भेजी प्रशासनिक कार्यालय से उत्साहवर्धक पत्र आया। तत्पपश्चात मैंने बी.डी.ओ. साहब से भेंट कर गाँव में शौचालय बनवाने हेतु सभी गाँव वालों को बैंक से ऋण उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। बी.डी.ओ. साहब सुनकर काफी खुश हो गए। मैंने बी.डी.ओ. तथा गाँव के मुखिया से सम्पर्क कर सभी ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त किया। तत्पश्चात एक ऋण मेला आयोजित कर रीजनल मैनेजर साहब से गाँव में ऋण वितरण करवाया। आयोजन के भाषणों में मेरे इस प्रयास की सबों ने खूब प्रशंसा की। उस दिन का मैं हीरो था।

कुछेक महीनों के बाद एक मोबाइल ऑपरेटर ने मुखिया के घर के छत पर अपना टावर लगाया। उसे देख गाँव के लोगों में विकास के प्रति चर्चा आम होने लगी। लोग एक दूसरे को मोबाइल की आवश्यकता को बयाँ करने लगे। लोगों को महसूस होने लगा कि मोबाइल के बिना तो लोग देश से कटे रह जायेंगे। और धीरे-धीरे लोग शहर जाकर मोबाइल खरीदने लगे। हर घर में मोबाइल आ गया। हर आदमी खुशी-खुशी आपस में बात करता तथा दूसरे को अपना मोबाइल नम्बर लिखवाता। मैं भी इस तरक्की को देख काफी खुश हुआ।

इस बीच प्रशासनिक कार्यालय ने मेरे प्रयास को सराहा तथा मुझे किसी दूसरी शाखा में व्यवसाय बढ़ाने हेतु स्थानांतरण की सूचना दी। मैं भी पत्र पाकर खुश हुआ। सोचा जाने के पहले गाँव में शौचालय के निर्माण की प्रगति की समीक्षा कर लूँ। गाँव के उसी गंदे सड़क से होते हुए सारा गाँव घूम आया पर कहीं भी शौचालय बनते नहीं पाया। मैंने लोगों के पूछा तो उनका उत्तर था ''हूजूर, हमने तो शौचालय के पैसे से मोबाइल खरीद लिया। मोबाइल के बिना जीना भी क्या जीना है। शौच के लिए तो सरकार ने साफ सुथरी जगह यानी कि सड़क बनवा दिया है। आपने तो हम लोगों की जिंदगी को सुधार दिया। भगवान आपको अवश्य तरक्की देंगें'' यह सुनकर मैं हतप्रभ हो गया। तत्काल अपने रीजनल मैनेजेर को इसकी सूचना दी।

दूसरे ही दिन प्रशासनिक कार्यालय से दो अधिकारी आये। एक ने मुझसे शाखाप्रबंधक का प्रभार ग्रहण किया तथा दूसरे अधिकारी मेरे द्वारा वितरित ऋण की जाँच में जुट गए। साथ ही मुझे प्राथमिकता का ज्ञान हुआ। आज मेरी प्राथमिकता अपनी नौकरी बचानी है।

—मिलिन्द कुमार झा
सदस्य, एस.बी.आई.ओ.ए.
जोनल कमिटी, पटना

BEWARE OF YQUR OWN BLACKSHEEP

We are allowing our life to go by like a sophisticated auto switched on machine in perpetual functional mode. In our life thinking seems to be a constant involuntary drone not only in our waking but even in our slumber state. This mechanical style of life going takes its own toll in the form of several psychosomatic ailments. As a human being we all are born with natural gift of self consciousness which has been kept deep under the ash of fire; borne out of this constant involuntary thinking. This awareness and the self consciousness are to be roused to enable oneself to remain always in the present moment and thereby, applying volitional control over our mind to check it from wavering in past and future-resulting into its getting sucked of creative energy, most of the time in meaningless thoughts. So, we must try to adhere to the basic rule of happiness that is "Khushi abhee aur yaheen"- always remaining in present moment by virtue of sharpening of self awareness which is the purpose of all spiritual sadhnas. Thus, habit to remain always centered towards one's inner self simultaneously with our daily routine should be developed.. All meditative steps help us focusing on here and now by inducing our mind to a state of this thoughtlessness or for that matter help controlling the numerous thoughts regularly and most of the times meaninglessly transporting in the mind. The first and also the last ladder of upward journey towards self consciousness' is to know the art of being watchful of all the thoughts coming in our mind involuntarily thereby wavering us in here and there state and causing not to remain in sync with the dictates of our inner self. Thus, we should make our sincere endeavor to be always aware of this inner self all the times. Can a few lines of the poem written hereunder not suggest us the art of self watch?

Deep, deep, deep,
Give your peep;
At the black sheep,
Sitting stealthily,
In your precious jeep;
Endeavoring ever to make all around you,
A big garbage heap;
Who will, if not you?
Perceive that internal boisterous beep,
Ever sucking your vital,
Bent upon stumbling your leap

By : **Pradip Rajak,**
EC Member, Zonal Committee, A.O., Bhagalpur

AN INSPIRATIONAL STORY

There was once a washerman who had a donkey and a dog. One night when the whole world was sleeping, a thief broke into the house, the washerman was fast asleep too but the donkey and the dog were awake. The dog decided not to bark since the master did not take good care of him and wanted to teach him a lesson.

The donkey got worried and said to the dog that if he doesn't bark, the donkey will have to do something himself. The dog did not change his mind and the donkey started braying loudly. Hearing the donkey bray, the thief ran away, the master woke up and started beating the donkey for braying in the middle of the night for no reason.

Moral of the story: "One must not engage in duties other than his own"

Now take a new look at the same story...

The washerman was a well-educated man from a premier management institute. He looked at the bigger picture and thought out of the box. He was convinced that there must be some reason for the donkey to bray in the night. He walked outside a little and did some fact finding, applied a bottom up approach, figured out from the ground realities that there was a thief who broke in and the donkey only wanted to alert him about it. Looking at the donkey's extra initiative and going beyond the call of the duty, he rewarded him with lot of hay and other perks and became his favorite pet. The dog's life didn't change much, except that now the donkey was more motivated in doing the dog's duties as well. In the annual appraisal the dog managed "ME" (Met Expectations).

Soon the dog realized that the donkey is taking care of his duties and he can enjoy his life sleeping and lazing around. The donkey was rated as "star performer". The donkey had to live up to his already high performance standards. Soon he was over burdened with work and always under pressure and now is looking for a NEW JOB...

Moral of the story **:** " hmmm, same as above."

बुलन्द हौसले

दुष्कर भले कार्य लगे,
राह कंटको से हो भरे,
उत्तरदायित्व के बोझ तले,
मंजिल पाने को बढ़े चले !

सदस्यों की पीड़ा को हरे,
संवदेना जिसकी न कभी मरे,
मुश्किलातों से न जो डरे,
संगठन में वैसे ही लोग रहे !

डगर कठिन है, फिर भी बढ़े,
दुश्वारियाँ हैं, फिर भी हँसे,
मलाल न हो चेहरे पर, माहौल ऐसा बने,
सजग रहे सदस्य, ग़लत कार्य में न फँसे !
सभी अपने है, भावना ऐसी पनपे,
कार्य-बोझ का तनाव न फैले,
माहौल खुशगवार रहे,
कार्य ऐसे ही चलते चले !

संगठन की शक्ति छतरी बन रहे सरपे,
यह विश्वास मन में पले,
एकता, अपनत्व की बयार बहे,
बुलन्द रहे सतत् हमारे हौसले।

—बादरी नाथ झा
मुख्य प्रबन्धक (पी.बी.बी.यू-II)
स्था.प्र.का., पटना

Sometimes you read something And it makes you stop and think....

And then you want to share it with everyone you care about.

Please read this and share it with the people you love.....

There was a blind girl who hated herself just because she was blind. She hated everyone, except her loving boyfriend. He was always there for her. She said that if she could only see the world, she would marry her boyfriend.

One day someone donated a pair of eyes to her and then she could see everything, including her boyfriend. Her boyfriend asked her, "now that you can see the world, will you marry me ?" The girl was shocked when she saw that her boyfriend was blind too, and refused to marry him.

Her boyfriend walked away in tears, and later wrote a letter to her saying.

" JUST TAKE CARE OF MY EYES PLEASE "

This is how humans change when their status changes. Only few remember what life was before, and who had always been there in the most painful situations.

Source : UNKNOWN

WHY ONLY THE WOMAN?

ELEVEN PEOPLE ON A ROPE

Eleven people were hanging on a rope, under a helicopter. Ten men and one woman. The rope was not strong enough to carry them all, so they decided that one had to leave, because otherwise they were all going to fall. They weren't able to choose that person, until the woman gave a very touching speech. She said that she would voluntarily let go of the rope, because, as a woman, she was used to giving up everything for her husband and kids or for men in general, and was used to always making sacrifices with little in return. As soon as she finished her speech, ***all the men started clapping.....***

Courtesy : Anupama Singh

HIGH BLOOD PRESSURE AND HEART CARE

What is high blood pressure [hypertension]?

The beating of your heart pumps blood through the blood vessels of your body. The pumping put pressure [tension] on the blood vessels walls. Your blood pressure may vary at different times of the day depending on how busy or worried you are.

High blood pressure [hypertension] is blood pressure that stays high over time. This means your heart has to work harder to keep blood flowing around your body.

What causes high blood pressure?

It is clear at this stage why people with diabetes are so susceptible to high blood pressure.

In type 1 diabetes, kidney damage can cause high blood pressure.

In type 2 diabetes, the cause is less clear.

Some research indicates that being obese may playa role, while other research implicates insulin resistance.

The cause of high blood pressure in the general population is also unknown in most cases. People with high blood pressure are said to have essential or primary hypertension.

Most people can't tell if they have high blood pressure as most people have no symptoms. The only way to find out if you have high blood pressure is to have it measured.

How is blood pressure measured?

Your blood pressure is measured using a cuff wrapped around your upper arm and connected to a pressure gauge.

You may have heard your blood pressure measurement given as "120 over 80" [written as 120/80].

The higher number represents your systolic pressure [the pressure when your heart beats] and the lower number] and the lower number is your diastolic pressure [the pressure when your heart is at rest]. Blood pressure is measured in units known as millimeters of mercury [mmHg].

As a general rule, blood pressure is considered to be high if the systolic pressure is 140mmHg or high, or the diastolic pressure is 90 mmHg or high [140/90 mmHg].

Why should be high blood pressure treated?

Over time, both high blood pressure and poorly controlled diabetes can damage the blood vessels in several organs such as the heart, kidney, brain and eyes. This can lead to:

- Heart attacks
- Kidney failure
- Blindness
- Heart failure
- Strokes

If you have high blood pressure in addition to diabetes you are at even greater risk of developing these complications. The good news is that effective treatment of hypertension, as well as controlling your diabetes, can reduce the likelihood of these problem occurring.

How is high blood pressure treated?

Treatment is usually a combination of medication and lifestyle adjustments. Your doctor has probably suggested that you modify your lifestyle or diet. Tips for a healthy, heart-friendly lifestyle are given on the next page.

Your doctor may have prescribed one or more medications to treat your high blood pressure. These medications help reduce your blood pressure in different ways, which is why it is often helpful to take more than one type. Medication often to be taken long term to make sure blood pressure stays down. You'll find more information about medications further on in this leaflet. further on in this leaflet.

How to help yourself

You don't have to rely on medication alone to control your blood pressure. You can help lower your blood pressure and reduce your risk of complications by making some changes to your lifestyle. [Some people with mild hypertension are able to control their blood pressure simply by adopting a healthy lifestyle].

Studies show that lifestyle modifications not only lower blood pressure, they can also increase the effectiveness of your blood pressure medication and reduce the risk of heart attack and stroke.

Shape up

Weight loss to within a normal range for your height and gender is especially important if you have type 2 diabetes. Shed those excess kilograms by starting a healthy eating plan and getting regular exercise.

Eat well

- Less salt - avoid adding salt to your food
- More fruit and vegetables .
- Less total and saturated fat .
- Low glycaemic index foods

Finding it hard to change your eating habits?

Try one improvement in your diet each week.

Get active

Try to get at least 30 minutes of exercise on most days of the week. And try changing your habits:

- Leave the car at home for short trips . Get off the bus a stop early
- Take the stairs instead of the lift
- Finding it hard to keep exercising? Choose an exercise you enjoy
- Try walking with a family member or friend

Cut down and quit

- Limit yourself to two drinks per if you're male and one drink per day if you're female
- Stop smoking

Wind down and relax

- Avoid situations that upset you
- Be positive and try to find solution to stressful problems
- Take time to relax doing something you enjoy

Medications used to treat high blood pressure

There are a number of types of medications available to treat high blood pressure. These medications act in different ways. You should ask your doctor about what side effects you may experience and how your medication will interact with other medications you may be taking. It is likely that you will need to take more than one medication for your high blood pressure.

Courtesy : L.K.P.Singh

BANKING NEWS

1. The Union Cabinet has given its nod for SBI's acquisition of State Bank of India Commercial and International Bank Ltd (SBICI).
2. Public sector banks have requested the government to extend the deadline for moving towards the system of technology-based identification of NPAs.
3. The RBI will henceforth come out with weekly and fortnightly data on Reserve Money and Money Supply, with the purpose of providing quick information to the public and concerned stakeholders.
4. Highest NPAs in smallest home loan bracket: According to recent finance ministry data that captures the performance of public sector banks, instances of home loan defaults contributing to gross non-performing assets (NPAs) was the highest in the category of loans up to 2 lakh.
5. The draft Micro Finance Bill 2011 gives sweeping power to the RBI by bringing all aspect of microfinance under its oversight.
6. SBI has started over 5,000 green channel counters (GCCs) at its branches across the country. The GCC aims at providing customers with a simple, secure and quick way of executing banking transactions without carrying passbooks or filling in pay-in-slips/withdrawal forms, or drawing cheques. All that is needed is the ATM-cum-Debit-Card and PIN for identifying the customer and his account.
7. The International Monetary Fund (IMF) board elected French Finance Minister Ms Christine Lagarde as its new MD. She is the first woman to lead the IMF.
8. After a thorough evaluation of key portfolios and the books of the country's largest lender, SBI, the RBI has raised its Camels rating by one notch. The Camels rating is generally assessed by the banking regulator on six key areas of bank and its portfolios - capital, asset quality, management, earnings, liquidity and systems & controls.
9. Salaried taxpayers with total income up to 5 lakh have been exempted from filing income tax returns for the assessment year 2011-12.
10. RBI warns banks on real estate valuation frauds: Alarmed by inflated valuations of real estate properties for the purpose of loans, the RBI has asked all banks to submit an action-taken report on the issue. The regulator reminded bankers about the prudential norms on valuation of assets and asked them to follow these in both letter and spirit.
11. The RBI wants banks to improve their risk monitoring capabilities to prevent possible deterioration in asset quality in the current rising interest rate regime.
12. SBI will scrap the annual interest rate reset clause on all loans and move to uniform base rate-linked payments to smoothen out the fluctuations in its profitability. "Most term loans have one-year reset clause, which is cumbersome both for the company as well as for the bank". "So, from now on, SBI will give term loans which will be linked to its base rate," the floor rate below which it won't lend to anyone.
13. SBI lowers credit growth target to under 19%: SBI has lowered its credit growth target for the current year to between 16 and 19 % from the earlier 19-22%, on the back of continuing monetary tightening measures by RBI.
14. **PRESENT KEY RATE AND OTHER STATISTICS :**

BANK RATE	6.00%	STATE BANK ADVANCE RATE (SBAR)	14.25%
CRR	6.00%	FOREX RESERVES- Rs. (crore)	13,88,955
SLR	24%	FOREX RESERVES US $ Million	309,020
REPO RATE	8.00%	SCB Total Deposits - Rs. in Cr.	53,44,701
REVERSE REPO	7.00%	SCB Total Credit - Rs. Cr	40,01,521
BASE RATE (SBI)	9.50 %	CREDIT- DEPOSIT RATIO (SBI)	75.3%

Courtesy : Rajesh Kr. Keshri

CIRCULARS

CIRCULAR NO. 17/2011 DATE : 27.06.2011

To

All Members

REIMBURSEMENT OF OUT OF POCKET EXPENSES FOR JOURNEY COMPLETED ON THE SAME DAY

We quote hereunder the text of **AISBOF Circular No. 58 dated 23.06.2011** on the captioned subject, the contents of which are self-explicit.

"One of the issues taken up with the Corporate Centre by the Federation was to review Out of Pocket Expenses for Journey completed on the same day, particularly after the revision in Halting allowance w.e.f. 01.05.2010.

2. We are happy that the Management has revised the out of pocket expenses w.e.f 01.04.2011 as under:

(i) An officer may be permitted to claim reimbursement of out of pocket expenses upto a ceiling of half the halting allowance payable to him or Rs. 400/- per day whichever is lower, provided he/she travels for the following distance and remains away for atleast 4 hours including journey period:

Particulars	Distance
i) Where an officer proceeds from office	At least 15 Kms. away from office and 5 Kms. away from residence
ii) Where an officer proceeds from residence	At least 15 Kms. away from residence and 5 Kms. away from office

3. We request our affiliates/members to take note of the improvements."

With warm greetings,

OUR UNITY : ZINDABAD-ZINDABAD
S.B.I.O.A. : ZINDABAD-ZINDABAD

(ANIRUDH AKHAURI)
GENERAL SECRETARY

CIRCULAR NO. 18/2011 DATE : 27.06.2011

To

All Members

FACILITY OF LEASED ACCOMODATION AT THE PLACE OF CHOICE

We quote hereunder the text of **AISBOF Circular No. 59 dated 23.06.2011** on the captioned subject, the contents of which are self-explicit.

"After the recent rental ceilings enhancement for leased accommodation w.e.f 01.01.2011, the option for anywhere leased facility was available only within the Circle except for officers transferred out of the Circle on account of promotion/ administrative reasons.

2. We are happy to inform our affiliates/members that, at our instance the Management has decided that the officers in Scale I to VII will be permitted to avail leased house facility at a place of choice any where within the country. However, if the officer retains the leased accommodation at the previous place of posting (place other than within the Circle), the lease entitlement of that place will be applicable for one year from the date of his transfer, if the entitlement is lower at the place of posting. In such cases, after completion of one year the entitlement will be the rental ceiling applicable to place of posting or the place of leased accommodation, whichever is lower. This principle will be applicable, henceforth to all officers in Scale I to VII. The Scheme shall be effective w.e.f 1st July, 2011.

3. Our affiliates/members may take note of the improvements. "

With warm greetings,

OUR UNITY : ZINDABAD-ZINDABAD
S.B.I.O.A. : ZINDABAD-ZINDABAD

(ANIRUDH AKHAURI)
GENERAL SECRETARY

CIRCULAR NO. 20/2011 DATE : 07.07.2011

To

All Members

MEMBERS MEETING AT RANCHI

We reproduce hereunder the text of AISBOF Circular No.62 dt. 05.07.2011 on the captioned subject, the contents of which are self-explicit.

"A Mammoth meeting of members of SBIOA-Patna Circle , Ranchi module was organized on Saturday the 25th June 2011 at Ranchi; on the occasion of visit of General Secretary of Federation, in connection with 2nd Triennial General Body Meeting of NCBE Jharkhand State Unit on 26.06.2011.

2. The meeting commenced with Welcome by Com.Anirudh Akhauri, General Secretary of SBIOA - Patna Circle. In his inimitable style, he covered the achievements of the Circle Association during the current triennial period. The Circle Association has its own website, bimonthly magazine. Communication has improved through circulars, e_mails ,SMS and personal interactive meetings. The Association owns a state of art VVIP Guest house at Vaishali; Delhi; increased ceiling on compensation under Benevolent Scheme and has an ambitious plan of commencing its CBSE School at Patna, shortly . Apart from securing welfare facilities to the members, the Association has ensured dignity and self respect of officers at work place. He narrated the issue of staff shortage and other problems being faced by the officers and requested the Federation to look into those issues.

3. Com.G.D.Nadaf General Secretary, AISBOF, in his key note address, complimented the Circle Association for its achievements, more particularly in protecting the self respect and dignity of officers in work place . He , while narrating the achievements of the Federation and Confederation, explained in detail on issues of UFBU Strike. He also shared information on latest organizational developments and issues before the Federation for negotiation with Bank. He also thanked the Association for felicitating him on account of his nomination as Officer-Director on the board of the Bank.

4. Com. L.K.P.Singh, President of the Circle Association, in the presidential address stressed on incentive for working in rural areas and recruitment of adequate staff. He also proposed vote of thanks.

5. Comrades, it was well organised and largely attended meeting, generated lot of enthusiasm amongst the members. Com. Kalyan Chatterjee and Com. Ajit Kumar Sinha module Office Bearers took lot of trouble in organizing the meeting at a short notice. We compliment Com.L.K.P.Singh, President, Com. A.Akhauri, General Secretary and other office bearers for success of the meeting."

With warm greetings,

OUR UNITY : ZINDABAD-ZINDABAD
S.B.I.O.A. : ZINDABAD-ZINDABAD

(ANIRUDH AKHAURI)
GENERAL SECRETARY

CIRCULAR NO. 21/2011 **DATE : 07.07.2011**

To

All Members

March on to 5th August ALL INDIA BANK STRIKE

We reproduce hereunder the text of **AIBOC Circular No.66 dt. 06.07.2011** on the captioned subject, the contents of which are self-explicit.

TEXT

All our unions and members are by now aware that it has been decided to postpone the strike from 7th July, 2011 to 5th August, 2011 in view of the delayed commencement of the Parliament session. In a way, this has given us further time to campaign on our issues and demands and to further extensively mobilise our members for the sustained struggles ahead.

2. We have already informed the IBA, all Bank managements and the Chief Labour Commissioner, Government of India about the postponement of the strike.

3. As decided in our UFBU meeting, we are adding the demand: "**Settle the** demands of employees/officers of Regional Rural Banks, Co-operative Banks and the Bank Daily Deposit Collectors."

4. The amended Strike Notice is being sent to the IBA and all other concerned authorities. Our Unions in RRBs and Co-operatives have to serve separate Notices on their management as per their practice.

5. The following preparatory programmes are given for implementation by all our Unions:

(i) Holding of State-level UFBU meetings to discuss and implement further programmes.

(ii) Memorandum signed by all employees and officers to be submitted to the Branch Manager/Incharge of the offices before 15-7-2011 (wherever this programme has already not been completed).

(iii) Deputation to the CMDs/MDs of all Banks by leaders of the UFBU constituent unions in each Bank and submitting the memorandum wherever this programme has not been undertaken so far. Joint demonstrations can be held on that day before the Central Offices of the Banks.

(iv) Meetings and Conventions to mobilize our members as well as to solicit support of other trade unions

(v) Display of posters before all branches/offices

(vi) Distribution of leaflets to the customers and general public about our demands

(vii) Letters from UFBU to all Central Trade Unions seeking their support and solidarity.

(viii) Letters from UFBU to political parties seeking their support to our demands.

(ix) Letters from UFBU to Members of Parliament requesting them to raise our issues in the Parliament during the session

(x) Press meet/press release, etc between 25th and 30th July, 2011

(xi) Lunch-time evening time demonstrations in all branches/centres on 20-7-11 and 1-8-11.

(xii) Dharna in all State Capitals on 27-7-2011

(xiii) Centralised Mass Rallies/processions in all cities and towns on 2-8-2011.

(xiv) Demonstrations in all branches on 4-8-2011

(xv) ALL INDIA BANK STRIKE: 5TH AUGUST, 2011: Demonstrations and Rallies.

6. Comrades, the need of the hour is unity and united struggle to effectively thwart the attacks and achieve our demands. Hence, we appeal to all our unions to move together and implement the programmes successfully.

With warm greetings,

OUR UNITY : ZINDABAD-ZINDABAD
S.B.I.O.A. : ZINDABAD-ZINDABAD

(ANIRUDH AKHAURI)
GENERAL SECRETARY

CIRCULAR NO. 24/2011 **DATE : 04.08.2011**

To

All Members

ALL INDIA BANK STRIKE - 5TH AUGUST

We refer our Circular No. 21/2011 dated 07.07.2011 and Circular No. 23/2011 dated 02.08.2011 advising the decision of UFBU to observe ALL INDIA STRIKE by all the Unions in the Banking Industry on the 5th August 2011.

The Main Issues / demands are as under :

i) Implement 5 days banking.

ii) Implement the compassionate appointment / financial compensation scheme as finalized between IBA & UFBU.

iii) Regulate and define working hours of Bank Officers.

iv) Improve Pension Scheme on the lines of Central Govt. Scheme, Updation of Pension alongwith wage revision.

v) Withdrawal of Govt's arbitrary instruction to banks not to improve/amend any Service Condition without their permission.

vi) Issue revised uniform guidelines on house building loan, vehicle loan, festival loan to staff.

vii) Do not issue license to Foreign Bank/Private Corporate to open bank in India.

viii) Do not outsource banking job and do not violate bipartite agreement on outsourcing.

ix) Stop merger of banks.

x) Improve staff strength by recruitment of fresh staff/officers.

In response to the Strike Notice, conciliation Meetings were held on 1st and 3rd August 2011 at New Delhi but in the absence of any positive response from the Government and IBA, conciliation proceedings could not succeed. Hence UFBU decided to go ahead with the STRIKE.

We call upon all our members to make the STRIKE a total Success.

With warm greetings,

OUR UNITY : ZINDABAD-ZINDABAD
S.B.I.O.A. : ZINDABAD-ZINDABAD

(ANIRUDH AKHAURI)
GENERAL SECRETARY

DO YOU KNOW

The Sea Gypsies : the sea gypsies of the Andamans are members of the Moken Tribe, who spend their lives traversing the Andaman Sea near southern Thailand and Myanmar. The tribal prefer to live in the sea in wooden Boats called kabangs, for most of the year. They settle on land only during the monsoon season. These nomads can plunge to depths of 22m without life support and also have the ability to hold their breath for twice as long as normal humans.

These common folk, who are totally dependent on the sea and its bounty, share a deep bond with nature and were among the first to sense the coming of the tsunami and escape to higher ground in 2004.

Compiled by **Sri Rajesh Gupta, MCGRO, Kolkata**

समाचार पत्रों से

हिन्दुस्तान, रांची, रविवार, 26 जून, 2011

कॉरपोरेट घरानों को बैंक लाइसेंस देना गलत : नदाफ

एसोएिशन के कार्यक्रम में जीडी नदाफ को बुके देकर सम्मानित करते। • हिन्दुस्तान

रांची। संवाददाता

अखिल भारतीय बैंक अधिकारी महासंघ एवं भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी महासंघ के महासचिव जीडी नदाफ ने कहा कि कारपोरेट घरानों को बैंक का लाइसेंस देना गलत है। सरकार फाइनांसियल रिफॉर्म्स के नाम पर ऐसा करना चाहती है। सार्वजनिक उपक्रम के बैंक का उद्देश्य सेवा करने के साथ लाभ कमाना है। कारपोरेट घराने बैंकिंग सेक्टर में सिर्फ लाभ कमाने के लिए आयेंगी। उनका सेवा से कोई लेना देना नहीं होगा। वह शुक्रवार को गुरुनानक स्कूल सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रेस से बात कर रहे थे। उन्होंने वहां मौजूद बैंक अफसरों को संबोधित किया।

नदाफ ने कहा कि बैंक में वर्ष 1996 से अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति बंद है। केंद्र, राज्य सरकार सहित देश के सभी संस्थानों में यह सुविधा लागू है। बैंक अफसरों के काम करने की कोई अवधि निर्धारित नहीं है। इससे स्वास्थ्य और सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही है। यहां कर्मियों की काफी कमी है। एसबीआइ में पेंशन का अपग्रेडेशन नहीं हो रहा है। समय-समय पर यह होना चाहिये। केंद्र सरकार के कार्यालयों में फाइव डे विक है। तकनीक काफी आगे बढ़ चुकी है। इसके मद्देनजर बैंकों में भी यह होनी चाहिये। सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी बैंकों में विदेशी निवेश का भी महासंघ ने विरोध किया है। मौके पर अनिरुद्ध चौधरी, एलकेपी सिंह, कल्याण चटर्जी, विष्णु शंकर प्रसाद, अजीत सिन्हा, विनय कुमार मिश्र मौजूद थे।

बैंक कर्मियों ने प्रदर्शन किया

रांची। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के बैनर तले सात जुलाई को बुलाई गई हड़ताल को सफल बनाने के लिए शनिवार को बैंक कर्मियों ने अपने ब्रांचों के समक्ष प्रदर्शन किया। एसबीआइ ऑफिसर्स एसोसिएशन के जिला सचिव विष्णुशंकर प्रसाद ने बताया कि तय कार्यक्रम के तहत इसका आयोजन किया गया था। केंद्रीय महासचिव जीडी नदाफ ने भी अफसरों से इस हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया।

प्रभात खबर, रांची, रविवार, 26 जून, 2011

वित्तीय सुधार का नारा साजिश

झारखंड दौरे पर आये एआइबीओसी के महासचिव जीडी नदाफ

वित्तीय सुधार के नाम पर निजी कंपनियों को लाभ देने की कोशिश : नदाफ

वरीय संवाददाता ■ रांची

स्टेट बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के ऑल इंडिया महासचिव जीडी नदाफ पहली बार झारखंड दौरे पर आये हैं. शनिवार को रांची पहुंचने पर गुरुनानक स्कूल सभागार में उन्होंने राज्य भर के एसबीआइ के अधिकारियों को संबोधित किया. उन्होंने देश की वर्तमान आर्थिक नीति के मायने, अधिकारियों की समस्या और भविष्य की रणनीति पर विचार रखा.

उन्होंने कहा कि भारत सरकार वित्तीय सुधार का नारा दे रही है. इसके पीछे बहुत बड़ी साजिश है. सरकार वित्तीय सुधार के नाम पर निजी कंपनियों को बैंकिंग क्षेत्र में लाइसेंस देने का प्रयास कर रही है. सरकार यह नहीं सोच रही है कि निजी कंपनियां अपने हित के लिए बैंकिंग क्षेत्र के लिए आ रही हैं. निजी कंपनियां पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का नुकसान करेंगी. इसके बाद अपना पैर पसारेगी. वह समाज हित में नहीं, अपने हित के लिए काम करेंगी.

श्री नदाफ ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नौकरियों में आज भी अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिल रही है. लेकिन, बैंककर्मियों के परिजनों के लिए अनुकंपा के आधार पर नौकरी 15 साल पहले बंद कर दी गयी है. इस मुद्दे पर एक बार फिर बैंककर्मी सरकार को घेरेंगे. केंद्र सरकार की तर्ज पर पांच दिनों के वर्किंग डे की वकालत भी श्री नदाफ ने की. उन्होंने कहा कि बैंक अधिकारियों पर जिस तरह के काम का दबाव दिया जा रहा है, वह उचित नहीं है. इससे उनका सामाजिक जीवन तो खराब हो रहा है. मानसिक परेशानी भी हो रही है. अधिकारियों का आज बैंक में आने के समय है, लेकिन जाने का समय नहीं है. अधिकारियों की कमी के कारण ज्यादा से ज्यादा काम करना पड़ रहा है. काम करने के दौरान तो परेशानी है ही, सेवानिवृत्ति के बाद भी उचित पेंशन नहीं मिल पाता है. इससे रिटायरमेंट के बाद भी उनकी जिंदगी अच्छी नहीं कटती है. इससे पूर्व अनिरुद्ध चौधरी ने पटना सर्किल के उपलब्धियों की जानकारी दी. मंच पर एलकेपी सिंह तथा कल्याण चटर्जी भी थे.

एसबीआइ अधिकारियों की बैठक

अनुकंपा मामले को लेकर एक बार फिर सरकार को घेरेंगे बैंककर्मी.

सात जुलाई को हड़ताल

सभी बैंकों में सात जुलाई को हड़ताल होगी. इसकी घोषणा कर दी गयी है. जीडी नदाफ ने बताया कि अधिकारियों तथा कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आंदोलन किया जा रहा है. दौरे के क्रम में इसे सफल बनाने का आह्वान भी अधिकारियों से किया जायेगा.

बैंकों के समक्ष प्रदर्शन

सात जुलाई की हड़ताल के मद्देनजर शनिवार को राजधानी में विभिन्न बैंकों के समक्ष प्रदर्शन किया गया. इसका आयोजन यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक एसोसिएशन द्वारा किया गया. एसबीआइ ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव ने बताया कि लंच के समय एसबीआइ के मुख्य ब्रांच के सामने भी अधिकारियों ने प्रदर्शन किया.

23 हिन्दुस्तान
रांची • शनिवार • 25 जून 2011

नदाफ आज रांची में

रांची। अखिल भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी महासंघ के महासचिव जीडी नदाफ शनिवार को रांची आ रहे हैं। वह गुरुनानक सीनियर सेकेंड्री हाईस्कूल सभागार में बैंक के अफसरों को संबोधित करेंगे। संगठन के जिला सचिव विष्णु शंकर प्रसाद ने बताया कि इसमें पटना मंडल के अध्यक्ष एलकेपी सिंह एवं महासचिव अनिरुद्ध अखौरी भी मौजूद रहेंगे।

काउंसिल मीटिंग कल

रांची। नेशनल कंफडरेशन ऑफ बैंक इंप्लाइज की कांउसिल मीटिंग रविवार को सुबह 10 बजे से होटवार स्थित गणपात राय इंडोर स्टेडियम में होगी। महासचिव दुर्गा राम ने बताया कि इसका उद्घाटन अध्यक्ष मिलिंद नाडकर्णी करेंगे। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह एवं विशिष्ट अतिथि जीवनदास नारायण होंगे। शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा।

प्रभात खबर, दिनांक, 24 जुलाई, 2011

एसबीआइ ने किया 70 यूनिट रक्त संग्रह

जमशेदपुर : भारतीय स्टेट बैंक जमशेदपुर शाखा के परिसर में रक्तदान शिविर लगाया गया. जिसका आयोजन भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. डॉ. केसी मिश्रा एवं भूतपूर्व महासचिव स्व. एचएस राठौर के ग्यारहवीं पुण्यतिथि के अवसर पर हुआ. जिसमें 70 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया. रक्तदान करनेवालों में अति विशिष्ट रक्तदाता 60 वर्षीय वीवी मोहारिर उप महाप्रबंधक भी शामिल थे. इस अवसर पर जमशेदपुर शाखा के सहायक महा प्रबंधक बीके रथ, क्षेत्रीय प्रबंधक अमिताभ चटर्जी, विकास कुमार, सुतानु चक्रवर्ती, एचसी गामी, पीएल राय, एसबीआइ अधिकारी संघ, जिला समिति की ओर से जिला अध्यक्ष एसबी प्रसाद, जिला सचिव जोसेफ आइंद, भारतीय स्टेट बैंक कर्मचारी संघ के सहायक महासचिव सुभाशीष भट्टाचार्य, रिंटु रजक आदि मौजूद थे.

विलम्ब से असंतोष बढ़ता है ।

A Blood Camp was organised by Comrades of Jamshedpur on 23rd July 2011.

Get together of the Comrades of Patna Circle was organised at Mumbai on 7th July 2011.

Enthusiastic members at Mumbai in a photo session.

A view of the senior Comrades who attended the get-together.

A view of the Central Negotiating Council meeting held at Mumbai on the 9th July 2011.

EDITORIAL BOARD

Sarvashree

- A. K. Pandey
- D. K. Kashyap
- Masrur Alam
- M.K. Jha

EDITOR

Shri Vikas Kumar

EDITOR-IN-CHIEF

Shri Anirudh Akhauri

PRINTED MATTER
SUP-POWER

TO,

STATE BANK OF INDIA

Pin Code

From :
State Bank of India
Officers' Association
State Bank Building
West Gandhi Maidan,
Patna - 800 001

Email-sbioa.patna@sbi.co.in

Published by SHRI ANIRUDH AKHAURI, General Secretary, S.B.I. Officers' Association, Patna Circle, and Printed at Tarang Press and Publications Pvt. Ltd., Shivpuri, Patna - 23. Ph. : 9431018714